12-12-2019

चीन ने मांगी इंडियन टेक्निक

चीन से छह मेंबर्स का एक डेलीगेशन एनएसआई विजिट पर पहुंचा, लैब, रिसर्च वर्क व वाटर री साइकिल टेक्निक के बारे में जाना

शुगर प्रोडक्शन में आत्मनिर्भर होने के लिए एनएसआई से मांगा टेक्निकल सपोर्ट, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के साथ साइन होगा एमओयू

EXCLUSIVE

kanpur@inext.co.in

KANPUR (11 Dec): चीन ने अपनी शुगर इंडस्ट्री की क्षमता बढ़ाने के लिए एनएसआई से टेक्निकल सपोर्ट मांगा है. चीन का एक डेलीगेशन बुधवार को नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट(एनएसआई) पहुंचा और लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी हासिल की. डेलीगेशन ने एनएसआई की लैब, रिसर्च वर्क व वाटर री साइकिल टेक्निक के बारे में जाना. बता दें कि चीन में जितनी शुगर की डिमांड है उतनी वहां की इंडस्ट्री में प्रोडक्शन नहीं होता है. चीन शुगर प्रोडक्शन में पूरी तरह आत्मनिर्भर होने के लिए टेक्नोलॉजी को अपेडट करना चाहता है. मार्च तक एनएसआई के एक्सपर्ट्स का एक डेलीगेशन चीन की विजिट पर जाएगा. यह जानकारी एनएसआई डायरेक्टर प्रो नरेन्द्र मोहन अग्रवाल ने दी.

PIC: DAINIK JAGRAN INEXT

एनएसआई डायरेक्टर से मिला चीन से आया डेलीगेशन.

06 मेंबर्स का चाइना का डेलीगेशन एनएसआई विजिट पर पहुंचा

08 से 10 परसेंट शुगर की रिकवरी होती है चीन की शुगर मिलो मे

11 से 12 परसेंट तक शुगर की रिकवरी यूपी की शुगर मिल्स की

03 महीने बाद एनएसआई के एक्सपर्ट्स का डेलीगेशन जाएगा चीन

डिटरजेंट वाली टेक्निक पसंद आई

चीन के डेलीगेशन ने एनएसआई की लैब्स, फैक्ट्री व रिसर्च वर्क के बारे में बारीकी से जानकारी हासिल की. वाटर ट्रीटमेंट प्लांट को भी देखा. प्लांट में यूज की जा रहा वॉटर रीसाइकिल टेक्निक डेलीगेशन को काफी पसंद आई. इसके अलावा उन्हें बगास से डिटरजेंट बनाने वाली टेक्नोलॉजी में भी खासा इंटरेस्ट दिखाया. काफी देर तक डेलीगेशन ने एनएसआई के अफसरों से बातचीत भी की. आने वाले टाइम में टेक्नोलॉजी को लेकर चीन गवर्नमेंट ऑफ इंडिया से एमओयू साइन करेगा. मार्च के लास्ट तक एनएसआई का एक डेलीगेशन चीनी शुगर इंडस्ट्री की विजिट करेगा और वहां की कंडीशन को चेक करेगा.

यूपी की मिलों से भी कम

प्रो. नरेन्द्र मोहन अग्रवाल ने बताया कि चीन से आए डेलीगेशन का नेतृत्व डिप्टी डायरेक्टर जनरल गोऑक्सी शुगर डेवलपमेंट ने किया. चीन की शुगर इंडस्ट्री की एफीशिएंसी काफी कम है. यूपी की शुगर मिलों की चीनी में रिकवरी 11-12 फीसदी हो रही है. वहीं चीन की शुगर मिलों में 8.5 से 10 परसेंट तक ही शुगर की रिकवरी होती है. चीनी डेलीगेशन अपनी शुगर इंडस्ट्री में सिर्फ चीनी बनाता है जबकि इंडिया में पॉवर के साथ साथ अदर प्रोडक्ट्स भी बनाए जाते हैं.

एनएसआई में बुधवार को कार्यक्रम की जानकारी देते निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन।

इथेनॉल उत्पादन में चीन संग नई तकनीक विकसित करेंगे

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

पेट्रोल की बढ़ती खपत को कम करने के लिए इथेनॉल का अधिक उत्पादन जरूरी है। अभी तक इथेनॉल का उत्पादन बहुत कम हो रहा है। इसको लेकर एनएसआई के वैज्ञानिक चीन के साथ मिलकर नई तकनीक विकसित करेंगे। चीनी उत्पादन बढ़ाने, गुणवत्ता में सुधार, जल संरक्षण व अन्य मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए भी नई तकनीक विकसित की जाएगी।

एनएसआई में चीन के एक प्रतिनिधि मंडल ने बुधवार को भ्रमण किया। संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि चीन में चीनी उत्पादन बढ़ाने के लिए छह सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल आया है। गोआकरी शुगर डेवलपमेंट ऑफिस के उप महानिदेशक ही जिमिन की अगुवाई में आई टीम ने संस्थान की प्रयोगशाला, स्मार्ट क्लासरूम और चल रहे विभिन्न शोध कार्यों का निरीक्षण किया। प्रो. मोहन ने बताया कि संस्थान में उत्पादकता बढ़ाने, ऊर्जा व जल संरक्षण, औषधीय गुणों वाली चीनी के निर्माण पर शोध चल रहा है।

प्रतिनिधि मंडल ने डाइटरी फाइबर निर्माण, दूषित जल शोधन की तकनीक में विशेष रुचि नजर आई। जी जिमिन ने बताया कि चीन में 233 चीनी मिले गन्ने पर और 37 चुकंदर पर आधारित हैं। चीन में चीनी की कुल खपत 160 लाख टन है जबकि उत्पादन दो तिहाई भी नहीं होता है। चीन चीनी उत्पादन में मिलकर नई तकनीक उत्पन्न करना चाहते हैं। इस मौके पर अशोक कुमार गर्ग भी रहे।

Chinese delegation visits NSI

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

The Director of National Sugar Institute, Prof Narendra Mohan while welcoming the six member Chinese delegation at the institute on Wednesday said the institute was committed to increase sugarcane and sugar productivity along with energy and water conservation. He said it was meticulously working on producing various sugar qualities as per market demand, particularly on producing value added products from the by-products of the sugar industry. He said the institute had become a 'knowledge centre' and enjoyed the honour of providing expertise to not only in the country but umpteen countries across the world. He said today NSI had carved a niche for itself in the field of quality sugar production with minimal water wastage.

Addressing the gathering the team head of the Chinese delegation, He Jimin expressed hope that the Chinese sugar industry and the NSI may together work on several areas particularly with respect to sugarcane and sugar quality improvement and management.

He said other focus areas were water conservation , ethanol production from various feed stocks and on production of special sugars.

He said if Chinese sugar industry and NSI worked together it will be in the interest of the sugar industries of both the countries.

He added that China had around 233 sugar mills working on sugarcane and 37 were using sugar beet as raw material, but looking to the annual requirement of about 16 million tonnes.

He said China produced only about two thirds of it and the imported between five and six million tonnes of sugar from other countries.

He said the area of concern was the productivity of the factories and the sugar recovery was about 10 per cent less than the average sugar recovery in India, where China looked forward for the technologies adopted by the Indian counterparts.

He said the delegation objective was to look into the academic and research activities of the institute so as to explore possibilities of reaching to an understanding for carrying out collaborative work on areas of mutual interest particularly for enhancing the sugarcane productivity, technical efficiency and sugar plants and also for developing innovative products for higher realisation of revenue.

The delegation took keen interest in the reasearch work done on production , Bio-CNG from filter cake and other agro waste and on usage of bagasse for prduction of surfactants, dietary fibre and particle boards.

The delegation was highly impressed to observe institute's efforts in developing novel technique of waste water management in sugar industry and its futher upgradation to convert value technique of waste water treatment in sugar industry and its further upgradation to convert waste water to potable water.

The Chinese team comprised of Dy Secretary General, The People's Government of Liuzhon City Guangxi, Zhao Suojon and several other delagates.

The vote of thanks was delivered by Ashok Kumar Garg.

Chinese delegation visits NSI for future joint collaboration on Wednesday Pioneer

يوپی اردو اکادمی ڈاکٹر شیما رضوی کمپیوٹر سینٹر، لکھنؤ
U.P. URDU AKADEMI DR. SHEEMA RIZVI COMPUTER CENTRE
Vibhuti Khand-2, Gomti Nagar, Lucknow-226010
Ph.: 0522-2720776, Mob.: 7607959539 (Supervisor) Website : www.upurduakademi.org

"DIPLOMA IN COMPUTER APPLICATIONS, BUSINESS ACCOUNTING & MULTILINGUAL DTP"

NCPUL Ministry of HRD Govt. of India

Short Term Courses Available
CCC Certification
AutoCAD & Animation
Diploma in Urdu Lang.

NIELIT Ministry of I.T. Govt. of India

Eligibility: High School/Equivalent examination
Career Prospects: Junior Programmers, Assistants. Programers, EDP Assistant, Web Design, DTP Operators, Visual Designer.
Course Details : IT Tools and Business Systems, Internet Technology and Web Design, Financial Accounting with Tally ERP and Personality Development, Introduction to ICT Resources, Programming Through 'C' Language and Multilingual DTP (Corel Draw, Publisher, Photoshop, Urdu Software Inpage, Flash)

Note: Admission Forms are Available on Our Website www.upurduakademi.org

Last Date of form Submission 18th December, 2019

Interview on 19th December, 2019 | 11.00 AM at UP Urdu Akademi Computer Centre

100% Placement Assistance

Contact 10:30 AM to 05:00 PM

Hurry! 40 Seats

S. Rizwan
Secretary/Centre Incharge

निवासी रामादेवी, गीता अग्रवाल निवासी गिलिट बाजार, बंशीलाल निवासी रनिया कानपुर देहात, अंजू यादव निवासी कर्नल गंज, मंजू टंडन स्वरूप नगर, रिंकू भाटिया निवासी रतनलाल नगर।

देख पांच बजकर 50 मिनट पर रोक लिया। पटरी से गाय का शव हटने के बाद नार्थईस्ट एक्सप्रेस को छह बजे रवाना किया गया। बाद में छह बजकर दो मिनट पर स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस को रवाना किया गया।

चीन ने चीनी का उत्पादन बढ़ाने को मांगी सलाह

जागरण संवाददाता, कानपुर : चीन अपने देश में चीनी का उत्पादन बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। बुधवार को चीन से आए छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआइ) का भ्रमण करके वहां की प्रयोगशालाएं देखीं। प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख गोऑक्सी शुगर डेवलपमेंट ऑफिस के डिप्टी डायरेक्टर जनरल ही जिमिन ने एनएसआइ निदेशक से चीनी का उत्पादन बढ़ाए जाने के लिए तकनीकी सलाह मांगी है।

चीन से आए प्रतिनिधिमंडल ने गन्ने से चीनी के अलावा इथेनॉल व दूसरे पदार्थ बनाने में भी दिलचस्पी दिखाई। एनएसआइ निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि कृषि कचरे से बायो सीएनजी बनाने के लिए चीन के पास अभी कोई तकनीक नहीं है। उन्होंने एनएसआइ के वैज्ञानिकों को अपने देश में चीनी के उत्पादन में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए आमंत्रित किया है। एनएसआइ का एक दल जल्द ही चीन जाकर उनकी मिलों को देखेगा। प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि चीन में 150 से 160 लाख टन चीनी की जरूरत होती है जबकि उत्पादन सौ से 110 लाख टन प्रतिवर्ष ही होता है। उत्पादन बढ़ाना चीन की प्रमुखता में शामिल है।

जवाहरलाल नेहरु उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र
जक्कूर, बेंगलूरु-560 064
एवं
सी.एन.आर. राव शिक्षा प्रतिष्ठान

विज्ञापन संख्या 12/2019 दिनांक: 04.12.2019

जवाहरलाल नेहरु उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र निम्नलिखित राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिये आवेदन/नामांकन आमंत्रित करता है। ये पुरस्कार सी.एन.आर. राव शिक्षा प्रतिष्ठान द्वारा स्थापित किये गये हैं:-

(1) ''उत्कृष्ट विज्ञान शिक्षक पुरस्कार-2019''- प्री. यूनिवर्सिटी एवं हाईस्कूल विज्ञान शिक्षकों के लिये हैं।

(2) ''रासायनिक पेप्टाइड्स (पाचकीय) तथा न्यूक्लिक (नाभिक) आम्ल में अनुसंधान हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार''- इन क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान करने वाले वैज्ञानिकों के लिये है।

अधिक विवरणों के लिए वेबसाइट http://www.jncasr.ac.in/announce.php देखें

चीनी उत्पादन में भारत-चीन साथ आये

कानपुर(एसएनबी)। गन्ना व शर्करा उत्पादन में चीन और भारत ने हाथ मिलाते हुए उत्पादन वृद्धि के संयुक्त प्रयास करने का निर्णय लिया है। इसके चलते चीन के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में शैक्षणिक और आनुसंधानिक गतिविधियों का अवलोकन करा।

चीन के गो ऑक्सी शुगर डेवलपमेंट के उप महानिदेशक ही जीमिन के नेतृत्व में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान पहुंचे प्रतिनिधिमंडल का स्वागत संस्थान के निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन ने किया। यहां प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों और क्रियाकलापों के सम्बंध में एक प्रजेंटेशन देखा। प्रो.नरेन्द्र मोहन ने बताया कि संस्थान गन्ने और चीनी की उत्पादकता में और अधिक वृद्धि के अलावा ऊर्जा, जल संरक्षण, बाजार में मांग के अनुसार विविध औषधीय गुणों वाले चीनी निर्माण और शर्करा उद्योग के सह उत्पादों के मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिये प्रयासरत है। चीन के प्रतिनिधिमंडल ने फिल्टर केक व अन्य कृषि कचरे से उत्पादित बायो सीएनजी के अनुसंधान कार्यों में विशेष दिलचस्पी दिखायी। प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व कर रहे जीमिन ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि चीन का चीनी उद्योग और राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर मिल कर गन्ने की गुणवत्ता में सुधार और प्रबंधन, जल संरक्षण, विविध फीड स्टाकों से इथेनॉल का उत्पादन और अन्य मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिये नवीन तकनीक का विकास करेंगे। उन्होंने बताया कि चीन में 233 चीनी मिलें गन्ने और 37 मिले चुकंदर से चीनी का निर्माण कर रही हैं। चीन में चीनी की खपत लगभग 160 लाख टन सालाना है। उन्होंने कहा कि पारस्परिक सहयोग दोनों ही देशों के लिये लाभप्रद साबित होगा।

कल्याणपुर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में चीन के प्रतिनिधि मंडल के साथ बैठक करते निदेशक डॉ. नरेन्द्र मोहन।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान पहुंचा चीन का प्रतिनिधिमंडल